

जेल से भतीजे मनीष के साथ ले गई पुलिस

ट्रस्ट के प्रायश्चित अनुष्ठान का दूसरा दिन

राममंदिर चढ़ावा चोरी : टिन्नु

यादव गमछे से मुंह छिपाता रहा

पूछताछ

अयोध्या, एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नु' और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को लेने जिला जेल पहुंची। यहां से करीब 20 मिनट बाद दोनों को लेकर पुलिस लाइन रवाना हो गई। जहां दोनों से पूछताछ की जाएगी। सीओ आशुतोष तिवारी जब टिन्नु और मनीष को जेल से बाहर लेना चाहते थे तो दोनों गमछे से अपना मुंह छिपाते नजर आए। पुलिस पता



पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नु' और उसके भतीजे मनीष यादव को पूछताछ के लिए जेल से ले गई।

लगाएगी कि कैसे और कब चोरी की गई। रकम को कहां छिपाया गया। शुक्रवार को पुलिस ने फैजाबाद कोर्ट से आरोपियों की 7 दिन की रिमांड मांगी थी। लेकिन, कोर्ट ने 39 घंटे की रिमांड मंजूर की। टिन्नु पूर्व महासचिव

महामंडलेश्वर विष्णु दास बोले- चंपत राय को मंदिर से हटाना जरूरी

महामंडलेश्वर विष्णु दास महाराज ने कहा- चंपत राय को अगर राम मंदिर से नहीं निकाला जाएगा तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि खराब होगी। 2027 में सत्ता पलट सकती है। इसलिए चंपत राय को राम मंदिर से हटाना बहुत जरूरी है। चंपत राय के ही कारण यूपी के मुख्यमंत्री की छवि खराब हो रही है।

चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख

सपा प्रवक्ता बोले- देश में राम मंदिर में चोरी सबसे बड़ा मुद्दा

सपा प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा- मुझे लगता है कि आज के समय में अगर इस देश में कोई दो बड़े मुद्दे पूछे जाएं, तो पहला है राम मंदिर में चोरी और दूसरा है नीट इक्जामनेशन जैसे पेपर लीक होना।

करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने

दावा- टिन्नु ने भतीजे को घर बनवाने के लिए 30-35 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे

सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी का आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु ब्याज पर भी पैसा देता था। पुलिस को जांच में यह बात पता चली है। सूत्रों के मुताबिक, टिन्नु ने अपने भतीजे का घर बनवाने के लिए 30-35 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे। भतीजे का घर तुलसी चौरा इलाके में बन रहा था। हालांकि, चढ़ावा चोरी मामले सामने आने के बाद मकान का निर्माण बंद है। जांच में ये बात भी सामने आई है कि खाकी अखाड़ा के एक व्यापारी को भी 20 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे।

टिन्नु के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे। इससे पहले, पुलिस 6 आरोपियों अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, रमाशंकर मिश्रा, करुणेश को रिमांड पर ले चुकी है। अयोध्या पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु और मनीष यादव को जिला जेल से 39 घंटे की कस्टडी में लेकर पुलिस लाइन ले आई है। चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट ने प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया है।

वाराणसी में ब्रजेश पाठक ने महिला मरीज के छूए पैर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शनिवार शाम करीब 6 बजे श्री शिवप्रसाद गुप्ता मंडलीय चिकित्सालय के निरीक्षण पर पहुंचे। करीब आधे घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों और तीमारदारों से सीधे बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डिप्टी सीएम एक बुजुर्ग महिला से मुलाकात की। बिना किसी औपचारिकता के वह महिला के पैरों के पास बैठ गए। महिला के पैर भी छूए। उनकी समस्या पूछी। उन्होंने पूछा, “अम्मा, क्या दिक्कत है आपको?” इस पर महिला ने बताया कि उनकी बेटी अस्पताल में भर्ती है और वह स्वयं भी अस्वस्थ हैं। इसके बाद डिप्टी सीएम चिकित्सा अधीक्षक के चैंबर में पहुंचे। अधीक्षक हाथ जोड़े घबराहट में उनके सवालों का जवाब दे रहे थे। इस पर उन्होंने

कहा, “डॉक्टर साहब, हाथ ना जोड़िए अच्छा नहीं लगता। आप वरिष्ठ चिकित्सक हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक आज वाराणसी पहुंचे थे। इस दौरान अचानक शनिवार शाम 6 बजे श्री शिवप्रसाद गुप्ता मंडलीय चिकित्सालय का निरीक्षण करने पहुंचे गए। यहां वह करीब आधे घंटे तक अस्पताल में रहे और मरीजों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।



बोले- अम्मा कोई दिक्कत तो नहीं, अस्पताल के अधीक्षक से कहा- हाथ न जोड़िए आप वरिष्ठ डॉक्टर हैं

फास्ट न्यूज

पानी भरे गड्ढे में डूबकर किशोर की मौत

सहजनवां। गोरखपुर के गौडा थाना क्षेत्र के छपिया गांव में शनिवार को 12 वर्षीय किशोर की जेसीबी से मिट्टी निकालने के बाद बने पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। बारिश के बाद गड्ढे में पानी भर गया था। खेलती ओर गए किशोर का पैर फिसला और वह उसमें गिर गया। ग्रामीणों ने बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद अवैध मिट्टी खनन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

शंकराचार्य धर्म का प्रचार करें, राजनीति नहीं : ओमप्रकाश

वाराणसी । वाराणसी में शनिवार को मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। कहा कि सपा सरकार में दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों का शोषण हुआ। आजम खान मामले को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा सरकार की वजह से ही आजम खान की आज यह स्थिति है। वहीं, एनडीए में सीट बंटवारे पर कहा कि सीटों का बंटवारा आपसी सहमति से होगा। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा कि धार्मिक गुरुओं का काम धर्म का प्रचार-प्रसार करना है, राजनीति करना नहीं।

वाराणसी में मैसे चोरी के आरोपियों की गिरफ्तारी पर बवाल

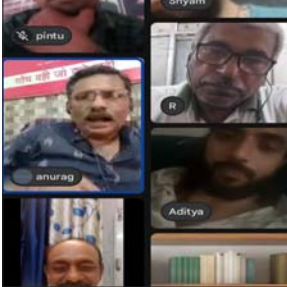
वाराणसी । वाराणसी के चोलापुर थाने में शनिवार को भैंस चोरी के मामले में गिरफ्तार तीन युवकों को लेकर करीब 4 घंटे तक हंगामा चला। सुभासपा नेताओं के साथ 100 से अधिक ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर धरना दिया। आरोपियों को कोर्ट और मेडिकल के लिए ले जाते समय महिलाओं ने पुलिस वैन घेर ली।

किसी भी स्थिति में पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : अनुराग

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । प्राप्त जानकारी सेजनीलिस्ट कौंसिल ऑफ इंडिया की मासिक वृत्तुअल बैठक में देशभर के पत्रकारों की समस्याओं, अधिकारों की रक्षा तथा संगठन की मजबूती को लेकर गंभीर मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने की, जबकि संचालन राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव द्वारा किया गया। बैठक का शुभारंभ करते हुए डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव ने संगठन को सशक्त बनाने के साथ-साथ पत्रकारों के हितों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अनुराग सक्सेना ने फ़िट, डिजिटल एवं सोशल मीडिया के साथ-साथ स्वतंत्र पत्रकारों के हितों की सुरक्षा को संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान बदलते मीडिया परिवेश में सभी वर्गों के पत्रकारों को समान अवसर और

सुरक्षा मिलना आवश्यक है। बैठक में बिहार प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कुणाल भगत तथा पटना अध्यक्ष अकबर इमाम ने जानकारी दी कि पत्रकारों के हितों की सुरक्षा को इंडिया का प्रदेश कार्यालय प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे स्थानीय पत्रकारों को संगठनात्मक स्तर पर बड़ी सुविधा प्राप्त होगी।



पत्रकार हितों की रक्षा को लेकर जर्नलिस्ट कौंसिल ऑफ इंडिया की वृत्तुअल बैठक में अहम निर्णय

घटना : ड्राइवर मोबाइल पर बात कर रहा था मासूम का शव गोद में उठाकर दौड़ा माई

3-साल के बच्चे को कार ने रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार दोपहर 12:39 बजे एक कार ने तीन साल के बच्चे को कुचल दिया। बच्चा किसी बात पर जित कर सड़क पर लेट गया था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार उसे कुचलते हुए आगे निकल गई।

हादसा झुंसी थाने से करीब 200 मीटर दूर हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में दिख रहा है कि कार बच्चे को कुचलने के बाद भी बिना ब्रेक लगाए आगे बढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि हादसे के समय चालक मोबाइल पर बात कर रहा था।

हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस



का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और उसके चालक की पहचान कर तलाश की जा रही है। झुंसी के चमनगंज निवासी राजकुमार ग्रीन पार्क के पास परिवार के साथ रहते हैं। उनके तीन बेटे हैं। राजकुमार मजदूरी करते हैं। शुक्रवार दोपहर उनका तीन साल का बेटा अभिषेक दोनों भाइयों के साथ पास के नल से पानी लेने जा रहा था। ग्रीन पार्क के पास पेदरील पंप के सामने चलते समय दोनों भाई आगे निकल गए, जबकि अभिषेक ज़िद में सड़क पर लेट गया। तभी पीछे

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

पास की किराना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में दिख रहा है कि सर्विस रोड पर तीन बच्चे जा रहे थे। खेल-खेल में एक बच्चा सड़क पर लेट गया। उसी समय करीब 10 मीटर पीछे चल रही कार बिना रफ्तार कम किए उसके ऊपर से गुजर गई। चालक ने न ब्रेक लगाया और न ही गाड़ी रोकी। हादसे के बाद पीछे आ जहां एक बच्चा दौड़कर पहुंचा और घायल अभिषेक को गोद में उठाकर सड़क किनारे ले गया। शोर सुनकर आसपास के लोग और स्कूली छात्र भी मौके पर जुट गए।

से आ रही कार उसके ऊपर से गुजर गई। कार का पहिया बच्चे के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों की तहरीर पर झुंसी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। झुंसी इस्पेक्टर महेश मिश्रा ने बताया CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है। पुलिस टीम दबिश दे रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।



जौहर विश्वविद्यालय जनता के सहयोग से बना है

महानगर अध्यक्ष मुख्तार अहमद अंसारी ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय जनता के सहयोग और सरकारी अनुदान से बना एक प्रमुख शिक्षण संस्थान है। ऐसे में भवनों को गिराने की कार्रवाई से हजारों छात्रों की पढ़ाई और कर्मचारियों के रोजगार पर असर पड़ेगा। पार्टी ने नोटिस वापस लेने और विश्वविद्यालय को संरक्षण देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गई तो पूरे प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से जनजागरण और आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 48 भवनों को अवैध बताकर जारी किया गया नोटिस विधिसम्मत नहीं है। उनका कहना था कि जिस समय विश्वविद्यालय की स्थापना और भवनों का निर्माण हुआ, उस समय संबंधित क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में नहीं था। ऐसे में वर्षों बाद भवनों को अवैध बताकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

फुल अटेडेंस चाहिए, डीडीयू में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस बन पहली क्लास ली

हमारे क्लास में बदमाशी ना चली : रवि किशन



बताया कि अपने क्लास के बच्चों को वे फिजिकल एक्सरसाइज देंगे। संगीत में जरूरी जानकारी देंगे, पेंटिंग के बारे में बताएंगे, अलग-अलग तरह के टास्क देंगे। रवि किशन ने कहा- मेरी क्लासेज अद्भुत होंगी, ये वचन देता हूं। कड़क हूं, कड़क सिखाऊंगा। अगर कुछ बनना है तो मेरी क्लास में आओ। ऐसा तरास दूंगा कि पूरे भारत में कोई ऐसे तरास नहीं पाएगा। जिंदगी के सभी रस, सभी स्ट्रगल में आप में

मुख्यमंत्री योगी के लोधेश्वर धाम आगमन की तैयारियां तेज

20 जुलाई को भाजपा पदाधिकारियों ने की समीक्षा बैठक



तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाराबंकी स्थित लोधेश्वर महादेव धाम आगमन की तैयारियां तेज हो गई हैं। वे 20 जुलाई को यहां पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से रामनगर क्षेत्र में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा

जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा ने की। इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं किसान नेता रामबाबू द्विवेदी ने तैयारियों का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित किया। उन्होंने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, जनसहभागिता, सुरक्षा और अन्य आवश्यक पहलुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के आगमन को ऐतिहासिक और सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

डीएम और एसपी ने सुनीं लोगों की शिकायतें

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। भीटी तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संयुक्त रूप से लोगों की शिकायतें सुनीं। जनसु-नवाई के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी 107 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 6 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए तय समय सीमा में गुणव-त्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शासन के निर्देशानुसार आयोजित समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादिया अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। डीएम और एसपी ने एक-एक शिकायत की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को नियमानु-सार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

कीटनाशक विक्रेताओं के लिए आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य

अम्बेडकरनगर। जिले के सभी कीटनाशक विक्रेताओं के लिए अब इंटीग्रेटेड पेस्टीसाइड मैनेजमेंट सिस्टम (IPMS) पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिला कृषि रक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के भीतर पंजीकरण नहीं कराने वाले विक्रेताओं के विक्रय प्राधिकार-पत्र (लाइसेंस) निरस्त कर दिए जाएंगे।

बाढ़ की आशंका को देखते हुए अम्बेडकरनगर में कंट्रोल रूम सक्रिय

अम्बेडकरनगर। जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बाढ़ संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान और आपात स्थिति से निपटने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में बाढ़ निर्वन्धन कक्ष स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था 18 जुलाई 2026 से 2 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी, जलस्तर की जानकारी लेने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

टीएनपीजी कॉलेज स्थित पीएससी स्थायी पोस्ट का एसपी ने किया निरीक्षण

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने शनिवार को टांडा स्थित टीएनपीजी कॉलेज परिसर में बने पीएससी स्थायी पोस्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की संतर्कता और उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

37 साल पुराने जलालपुर हॉफ मर्डर केस में कैलाश यादव बरी

अदालत ने आरोपों से किया दोषमुक्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर के बहुचर्चित हॉफ मर्डर (हत्या के प्रयास) मामले में करीब 37 साल बाद कैलाश यादव को अदालत से बड़ी राहत मिली है। अन्न जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-प्रथम) की अदालत ने कैलाश यादव समेत तीन आरोपितों को सभी आरोपों से दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया। अदालत के फैसले के बाद कैलाश यादव को वर्ष 1989 में दर्ज इस पुराने मुकदमे से राहत मिल गई। मामले में कैलाश यादव, अम्बिका प्रसाद और हीरालाल को आरोपों का सामना करना पड़ रहा था। यह मामला जलालपुर कोतवाली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 48/89 से जुड़ा था। मुकदमे में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 147, 148, 149 और 307 (हत्या के प्रयास) के तहत कार्रवाई की गई थी। करीब चार दशक तक चली सुनवाई के दौरान अदालत में दोनों पक्षों की ओर से दलीलें पेश की गईं। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपितों को आरोपों से मुक्त कर दिया। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता पवन कुमार यादव ने पैरवी की। उन्होंने अदालत के समक्ष पक्ष रखते हुए आरोपों और साक्ष्यों पर बहस की। अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद कैलाश यादव समेत तीनों आरोपितों को बाइज्जत बरी करने का आदेश सुनाया।



थी। करीब चार दशक तक चली सुनवाई के दौरान अदालत में दोनों पक्षों की ओर से दलीलें पेश की गईं। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपितों को आरोपों से मुक्त कर दिया। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता पवन कुमार यादव ने पैरवी की। उन्होंने अदालत के समक्ष पक्ष रखते हुए आरोपों और साक्ष्यों पर बहस की। अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद कैलाश यादव समेत तीनों आरोपितों को बाइज्जत बरी करने का आदेश सुनाया।

भीटी समाधान दिवस में 107 मामले पहुंचे, 6 मामलों का मौके पर निस्तारण



संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 107 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 6 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए।

समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, उप जिलाधिकारी भीटी, तहसीलदार भीटी समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों

डीएम ने अधिकारियों से कहा कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए और निस्तारण की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।

राजस्व और भूमि विवादों में मौके पर जांच के निर्देश

जनसुनवाई के दौरान राजस्व और भूमि संबंधी मामलों की संख्या अधिक रही। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में मौके पर जाकर जांच की जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न बने, बल्कि लोगों को वास्तविक और संतोषजनक समाधान मिले। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए।

किछौछा के मुद्दों पर विहिप का हमला कार्रवाई की मांग

कथित अवैध निर्माण और अन्य मामलों में कार्रवाई तेज करने की जरूरत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। किछौछा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मामलों को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विहिप के प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कथित लव जिहाद, अवैध निर्माण और शिकायतों पर कार्रवाई में देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में शिकायतों के बाद भी प्रशासन की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। विहिप ने इन प्रकरणों में निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विजय प्रताप ने किछौछा क्षेत्र में कथित अवैध मजार और मस्जिद निर्माण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि



प्रशासन की ओर से केवल नोटिस जारी करने तक कार्रवाई सीमित रह गई। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण से जुड़े मामलों में नियमों के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। विहिप नेता ने आरोप लगाया कि संगठन की ओर से जब इन मामलों को प्रशासन के सामने रखा जाता है तो शिकायतकर्ताओं को पीछे हटने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत पर निष्पक्ष जांच होनी

भाजपा में नई टीम को लेकर हलचल

अवधेश द्विवेदी की राय भी अहम

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। दिलीप देव पटेल को जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब पार्टी के भीतर सबसे बड़ा सवाल यही है कि नई टीम में किन नेताओं और कार्यकर्ताओं को जगह मिलेगी। इसी बीच वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश द्विवेदी को अवध क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से जिले का राजनीतिक समीकरण भी बदलता नजर आ रहा है। संगठन के जानकारों का मानना है कि गृह जिला होने के कारण संगठन विस्तार में अवधेश द्विवेदी की भूमिका बेहद प्रभावशाली रहने वाली है। अवधेश द्विवेदी भाजपा के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने वर्षों तक संगठन और चुनावी राजनीति दोनों में सक्रिय भूमिका निभाई है। वह पार्टी के टिकट पर दो बार



विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं और प्रदेश नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं में उनकी पहचान रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अब उनका दायरा केवल एक जिले तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे अवध क्षेत्र की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। ऐसे में नई जिला कार्यकारिणी को लेकर उनकी राय को भी अहम माना जा रहा है। भाजपा के भीतर चर्चा है कि इस बार संगठन विस्तार केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं होगा। 2027 के विधानसभा चुनाव को

ध्यान में रखते हुए ऐसी टीम तैयार करने की कवायद चल रही है, जो बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर सके। इसलिए सक्रिय कार्यकर्ताओं, सामाजिक समीकरण और संगठन के प्रति समर्पण जैसे पहलुओं को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी ओर, कई पुराने पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी बरकरार रखने की कोशिश में जुटे हैं, जबकि बड़ी संख्या में नए चेहरे संगठन में अवसर मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

टांडा के मोहम्मद साकिब ने नीट 2026 में दिखाई प्रतिभा

564 अंक के साथ हासिल की ऑल इंडिया रैंक 26963

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के टांडा कस्बे के पश्चिम मोहल्ला निवासी मोहम्मद साकिब ने नेशनल एंजिनिंग इंजिनिंग टेस्ट (NEET) 2026 में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। साकिब ने परीक्षा में 564 अंक प्राप्त किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऑल इंडिया रैंक (AIR) 26963 हासिल की है। साकिब की सफलता के बाद परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के शिक्षकों और परिचितों में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को जिले के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। साकिब के पिता इक़रार अहमद, जो मदरसा फैजुल उल्लु अलनपुर में अध्यापक हैं, ने बताया कि उनके बेटे ने नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन के दम पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने



कहा कि लगातार मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम आज सभी के सामने है। मोहम्मद साकिब ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा उजमा पब्लिक स्कूल, पुंथर (टांडा) से प्राप्त की। उन्होंने नर्सरी से कक्षा आठ तक की पढ़ाई यहीं पूरी की। इसके बाद कक्षा नौ से 12वीं तक की शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल, आसोपुर टांडा से हासिल की। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि साकिब शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर, अनुशासित और लक्ष्य के द्धित छात्र रहे हैं। उन्होंने विद्यालय स्तर पर भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया।

अब दूध, मिठाई, मीट और मछली की होगी सरख्त जांच

बोलीं- निरीक्षण के साथ बढ़े सैंपल, मिलावट पर हो प्रभावी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की त्रैमासिक बैठक में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने विभागीय कार्रवाई की समीक्षा करते हुए साफ निर्देश दिए कि खाद्य प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण के साथ-साथ सैंपलिंग भी बढ़ाई जाए। खास तौर पर दूध, दुग्ध उत्पाद, मिठाई, मछली और मीट की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में अप्रैल से जून 2026 तक विभाग की कार्रवाई का व्यौरा रखा गया। समीक्षा के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, मिलावट की



रोकथाम और लंबित मामलों के निस्तारण पर विस्तार से चर्चा हुई। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 ने बताया कि अप्रैल से जून 2026 के बीच जिले में 608 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संदेह के आधार पर 152 खाद्य नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट में 89 नमूने खाद्य मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए, जिनके विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बैठक में खाद्य

डीएम ने कहा- केवल निरीक्षण नहीं, सैंपलिंग भी बढ़े

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि निरीक्षण की संख्या के अनुरूप खाद्य पदार्थों के नमूने भी अधिक लिए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से दूध और दुग्ध उत्पादों की सघन सैंपलिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि जांच और सैंपलिंग दोनों में गंभीरता दिखाई जाए।

पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले असुरक्षित रंग, अधोमानक रसायनों और सिल्वर फॉइल के उपयोग पर भी चर्चा हुई।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारी तेज

भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ा दी है। आलापुर विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सफल बनाने के लिए शनिवार को गोविंद साहब मंडल के निरीक्षण भवन में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र संयोजकों को संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मेहनत और समर्पण से ही पार्टी मजबूत हुई है। उन्होंने



कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं और उनके प्रयासों से ही पार्टी ने देश में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर पर लगातार संपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने की अपील की। बैठक में बताया गया कि आगामी 22 जुलाई को विधानसभा आलापुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर गोविंद साहब मंडल के सभी शक्ति केंद्र संयोजकों और बूथ अध्यक्षों के साथ रणनीति पर चर्चा की गई।



कहना है कि घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गाजीपुर निवासी टोल प्लाजा सुपरवाइजर अजीत राय ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह 14 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे लेन संख्या-1 पर ड्यूटी कर रहे थे। तहरीर के मुताबिक, इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की सफेद स्कॉपियों टोल प्लाजा पर पहुंची। आरोप है कि वाहन सवार सदीप राजभर ने बिना टोल शुल्क दिए वाहन निकालने का प्रयास किया। सुपरवाइजर ने जब टोल नियमों का हवाला देते हुए शुल्क जमा करने को कहा तो विवाद होने का आरोप लगाया गया। पूर्वांचल

सीसीटीवी फुटेज बनेगा जांच का आधार

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

विवाद : सुपरवाइजर से मारपीट का आरोप, एमएलसी पुत्र पर मुकदमा दर्ज

फुलवरिया टोल पर टोल मांगना पड़ा भारी

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा का मामला, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही जैतपुर पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के फुलवरिया टोल प्लाजा (टीपी-09, किमी-203) पर टोल शुल्क मांगने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। टोल प्लाजा के सुपर-वाइजर ने आजमगढ़ के भाजपा एमएलसी रामसूरत राजभर के पुत्र सदीप राजभर उर्फ रिंकु पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में जैतपुर थाने में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का

अंबेडकरनगर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के फुलवरिया टोल प्लाजा (टीपी-09, किमी-203) पर टोल शुल्क मांगने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। टोल प्लाजा के सुपर-वाइजर ने आजमगढ़ के भाजपा एमएलसी रामसूरत राजभर के पुत्र सदीप राजभर उर्फ रिंकु पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में जैतपुर थाने में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का

सम्पादकीय

नागरिकता का प्रश्न



पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के समय वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटे जाने और उन्हें कथित तौर पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा, उससे भ्रम पूरी तौर पर दूर होना कठिन ही है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम कटने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसा ही कहा था, लेकिन तब उसने यह भी जोड़ा था कि आयोग मतदाता सूची बनाते या उसे संशोधित करते समय नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है।

उसने ऐसी टिप्पणी इसलिए की थी, क्योंकि चुनाव आयोग को यह देखना होता है कि मतदाता भारतीय नागरिक है या नहीं? उसे यह देखने का अधिकार इसीलिए दिया गया, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का हक भारतीय नागरिकों को ही मिल सकता है। नि:संदेह चुनाव आयोग के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी की नागरिकता का निर्धारण करे, क्योंकि नागरिकता का निर्धारण तो भारतीय नागरिकता अधिनियम के तहत होता है और इसके अनुसार जन्म, वंश, भारत में लंबे समय से रहने आदि के आधार पर नागरिकता तय होती है। समस्या यह है कि अपने देश में नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई सुनिश्चित प्रमाण पत्र नहीं है। इसीलिए पिछले दिनों जब यह बात सामने आई कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज मात्र है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, तब भी यह बहस उठी थी कि आखिर किसी की नागरिकता का निर्धारण किस प्रमाण पत्र से होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा-सरल उत्तर तब तक नहीं मिल सकता, जब तक लोगों को नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता।

ध्यान रहे कि आधार, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पैन, राशन कार्ड आदि भी नागरिकता के दस्तावेज नहीं हैं। मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का प्रमाणन नहीं करता। चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया इसीलिए जटिल है, क्योंकि लोगों के पास ऐसे दस्तावेज बहुत कम हैं, जिनसे उनकी नागरिकता का आसानी से प्रमाणन हो जाए। अपने देश की एक अन्य समस्या यह है कि यदि कोई राशन कार्ड, आधार आदि बनवा ले तो फिर वह हर तरह के दस्तावेज हासिल कर सकता है- मतदाता पहचान पत्र से लेकर पासपोर्ट तक।

यह किसी से छिपा नहीं कि तमाम बांग्लादेशी घुसपैठियों ने ऐसा कर रखा है। यदि यह समझा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से समस्या का समाधान हो जाएगा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता तो यह सही नहीं। ऐसी किसी टिप्पणी से एसआइआर की प्रक्रिया भी आसान नहीं होने वाली, क्योंकि चुनाव आयोग को तो यह सुनिश्चित करना ही होगा कि मतदाता भारतीय नागरिक हो।

राग से विराग की ओर

हमारी सृष्टि में जन्म, बुढ़ापा, रोग व मृत्यु आदि - आदि दुख हैं। शास्त्र में बताया गया है कि बुढ़ापे में आदमी परवश हो जाता है व परवशता भी एक दुख है। बुढ़ापा दुख है तो जन्म, बीमारी व मौत भी दुख है। वह जो व्यक्ति अर्थ में रत रहता है वह दुख का अतिक्रमण कर लेता है। जैन श्वेतांबर आत्मन्या में बत्तीस आगम मान्य हैं। इनमें ग्यारह अंग, बारह उपांग, चार मूल, चार छेद और एक आवश्यक हैं। सभी आगम प्रमाण के रूप में सम्त हैं। इनमें एक आगम है- उत्तरज्झयणाणि। इस आगम में तत्त्व ज्ञान भी उपलब्ध होता है। वह इसमें घटनाओं और कथानक आदि के माध्यम से भी कुछ देने का प्रयास हुआ है। अध्यात्म की दृष्टि से साधक व श्रावक समझ कर आत्मा को एक सुंदर दिशा - निर्देश भी प्राप्त हो सकता हैं। परिषहों को सहन करने का सुंदर शिक्षण हमें इस आगम के दूसरे अध्ययन से प्राप्त होता हैं। कई चरित्रात्माएँ इस आगम को कंठस्थ करने का भी प्रयास करते हैं। स्वाध्याय ज्ञान की अच्छी बातों में लीन बनें तो दुख से मुक्ति व सुख की प्राप्ति संभव है। वह ज्ञान सही ज्ञान है, जिस ज्ञान से राग से विराग की ओर व आत्म कल्याण की ओर आदमी प्रस्थान कर लेता हैं व उसमें मैत्री भावना विकसित हो जाती हैं। वह ऐसी साधना करने वाला जन्म-मरण से मुक्त बन सकता है। वह जिन शासन में ज्ञान का बहुत महत्त्व हैं। ज्ञान अध्यात्म विद्या का भी होता है तो लौकिक विद्या का भी हो सकता हैं। हम श्रावकों के द्वारा चरित्रात्माओं व आगम आदि से ज्ञान को ग्रहण करने का अधिक प्रयास होना चाहिए। यह एक विवेच्य बात हो सकती हैं। एक ज्ञान वह होता हैं जिसे ग्रहण करने से आत्मोत्थान की प्रेरणा मिल सकती है। वह सुंदर आध्यात्मिक शिक्षा भी प्राप्त हो सकती हैं। वह दूसरे ऐसे ग्रन्थ भी हैं, जिनका अध्यात्म से सीधा संबंध नहीं होता , अपितु जिनको ज्यादा पढ़ने से मन में अव्यव्रता भी आ सकती हैं। यद्यपि ज्ञान की जहां तक बात हैं , वह अपने आप में शुद्ध हैं। क्योंकि ज्ञेय तो नव ही तत्त्व हैं, परन्तु उनमें हेय भी हैं और उपादेय भी हैं। वह जो ग्रहण करने योग्य हों, जिस ज्ञान से आत्मा का कल्याण हों, उसी ज्ञान को हमको अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।

> प्रदीप छाजेड़

66

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है।



सुजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएँ। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यंकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड़ पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी

चंपावत का आकर्षण...



डॉ. शैलेश शुक्ला

उत्तराखंड का वह अनमोल पर्यटन रत्न, जहाँ प्रकृति बार-बार बुलाती है

विश्व भर में पर्यटन उद्योग तेजी से बदल रहा है। आधुनिक यात्री अब केवल भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों, चमकदार होटलों और कृत्रिम मनोरंजन सुविधाओं की तलाश में नहीं हैं। वे ऐसे अनुभव चाहते हैं जो उन्हें प्रकृति के निकट ले जाएँ, स्थानीय संस्कृति से परिचित कराएँ, मानसिक शांति प्रदान करें और जीवन की भागदौड़ से कुछ समय के लिए दूर ले जाकर आत्मिक संतुलन स्थापित करने का अवसर दें। इसी बदलती वैश्विक पर्यटन प्रवृत्ति के बीच उत्तराखंड का चंपावत जिला ऐसे गंतव्य के रूप में उभरता दिखाई देता है, जो न केवल हिमालयी पर्यटन की मूल आत्मा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के सतत, सांस्कृतिक और अनुभववात्मक पर्यटन की संभावनाओं को भी अपने भीतर समेटे हुए है। विडंबना यह है कि भारत और विश्व के अधिकांश पर्यटक अभी तक इस अनमोल धरोहर से पूरी तरह परिचित नहीं हो सके हैं, जबकि इसकी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदा इसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्वतीय पर्यटन केंद्र की श्रेणी में खड़ा करने की क्षमता रखती है।



को आकर्षित किया है, किंतु बढ़ती भीड़, अनियंत्रित व्यावसायीकरण, यातायात का दबाव और पर्यावरणीय चुनौतियों ने उनको मूल आकर्षण को कई स्थानों पर प्रभावित भी किया है। इसके विपरीत चंपावत आज भी अपनी प्राकृतिक गरिमा, सांस्कृतिक मौलिकता और शांत वातावरण को बड़ी सीमा तक सुरक्षित रखने में सफल रहा है। यही कारण है कि जो यात्री पर्यटन को केवल एक मनोरंजन गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन के अनुभव और आत्मिक पुनर्संपर्क के रूप में देखते हैं, उनके लिए चंपावत एक असाधारण गंतव्य सिद्ध हो सकता है। हिमालय की गोद में बसा यह क्षेत्र प्रकृति की उन दुर्लभ देतों में से एक है, जहाँ पर्वत, वन, नदियाँ, झीलें और आकाश मिलकर ऐसा दृश्य संसार रचते हैं जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन है। गर्मियों के दिनों में जब उत्तर भारत के मैदानी शहर भीषण गर्मी और प्रदूषण से जूझ रहे होते हैं, तब चंपावत का मौसम अपेक्षाकृत शीतल, स्वच्छ और स्फूर्तिदायक बना रहता है। यहाँ की पहाड़ियों पर फैले देवदार, ओक, चीड़ और बुरांश के वन न केवल क्षेत्र की जैव विविधता को समृद्ध करते हैं, बल्कि पर्यटकों को एक ऐसे

वातावरण में ले जाते हैं जहाँ प्रकृति अभी भी अपनी मूल लय में साँस लेती हुई प्रतीत होती है। सुबह की धुंध, पहाड़ियों के पीछे से उगता सूर्य, दूर-दूर तक फैली हरियाली और हिमालय की बर्फाच्छादित चोटियों पर पड़ती सुनहरी किरणें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को गहरे स्तर पर प्रभावित करती हैं।

चंपावत का आकर्षण केवल उसके प्राकृतिक दृश्यों तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी एक महत्वपूर्ण अध्याय प्रस्तुत करता है। कभी चंद राजवंश की राजधानी रहा यह जिला अपने भीतर धार्मिक परंपराओं की अनेक स्मृतियाँ समेटे हुए है। पर्यटकों का एक बार वैश्वीकरण के अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि इतिहास के जीवंत दस्तावेज हैं। बलेश्वर मंदिर जैसे स्थापत्य स्मारक इस बात के साक्षी हैं कि हिमालयी क्षेत्रों में कला और संस्कृति का विकास किती ऊँचाइयों तक पहुँचा था। स्थानीय लोककथाएँ, लोकगीत, पारंपरिक उत्सव और कुमाऊँनी जीवनशैली आज भी इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखे हुए हैं। ऐसे समय में जब वैश्वीकरण के अर्चना में अनेक स्थानीय संस्कृतियाँ अपनी विशिष्टता खोती जा रही हैं, चंपावत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है। चंपावत का एक और महत्वपूर्ण पक्ष इसकी आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संभावनाएँ हैं। आज की दुनिया अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति के बावजूद तनाव, अकेलेपन और मानसिक थकान जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में वे स्थान अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं जहाँ व्यक्ति कुछ समय के लिए स्वयं से संवाद कर सके।

जरा हटके

अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए यह सप्तिह 60 से 70 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, बची हुई आवश्यक धनराशि के लिए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के समन्वय से नाबाड़ तथा स्थानीय बैंकों के लिए बेहतरनी माना जाने वाली 'बीतल' और 'सिराही' जैसी नस्लों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति केवल वित्तीय सहायता देने तक सीमित नहीं है, अपितु पशुओं के समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और वैज्ञानिक आहार प्रबंधन के लिए भी व्यापक तकनीकी सहायता निरंतर उपलब्ध कराई जाती है। पारदर्शी और सरल आवेदन प्रक्रिया इस योजना की एक अन्य महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार, इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम और बाधा रहित बनाया गया है।

और साल में दो बार बच्चे देने की क्षमता रखती हैं, जिससे पशुपालक को तेजी से आर्थिक लाभ होता है। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की मांग के अनुसार दूध उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ 'जमुना-परी' तथा मांस और दूध दोनों के लिए बेहतरनी माना जाने वाली 'बीतल' और 'सिराही' जैसी नस्लों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति केवल वित्तीय सहायता देने तक सीमित नहीं है, अपितु पशुओं के समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और वैज्ञानिक आहार प्रबंधन के लिए भी व्यापक तकनीकी सहायता निरंतर उपलब्ध कराई जाती है। पारदर्शी और सरल आवेदन प्रक्रिया इस योजना की एक अन्य महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार, इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम और बाधा रहित बनाया गया है।

का स्वरूप प्रदान किया।। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भों एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियाँ और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतीवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है।

ललित गर्ग

फेमिनिज्म द्वारा...



क्षमा शर्मा

अतिवाद की हदों को पार करता स्त्रीवाद

हाल में अमेरिका में हुए कुछ सर्वे और रिपोर्ट पढ़ी। उनमें बताया गया है कि वहां अधिकांश स्त्रियां पुरुषों से बराबरी चाहती हैं। समान वेतन और समान सुविधाओं को पसंद करती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश खुद को फेमिनिस्ट या स्त्रीवादी नहीं कहलाना चाहतीं। बहुत से पुरुष भी स्त्रियों के अधिकारों के प्रबल समर्थक हैं, पर वे इस शब्द से परहेज करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? स्त्रियों का कहना है कि स्त्रीवाद ने शुरुआत में जो अधिकार मांगे थे, जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि वे कमोबेश पूरे हो चुके हैं। जहाँ नहीं हुआ है, वहां इन पर सोचा जा रहा है। इसलिए अब पुराने रागों का अलाप बंद होना चाहिए। वे फेमिनिज्म के अतिवादी रूप (रेडिकल फेमिनिज्म) से परेशान हैं। उनका कहना है कि हमेशा पुरुषों को शिकारी और अपने को शिकार दिखाना गलत अवधारणा है। पुरुष अच्छे भी हो सकते हैं और स्त्रियां बुरी भी हो सकती हैं। वे यह भी कहती हैं कि किसी दफ्तर में अधिकारी बनकर घंटों काम करने और दफ्तर की परेशानियों को झेलने से उनका जीवन आसान नहीं, बहुत कठिन हुआ है। यही नहीं, फेमिनिज्म द्वारा स्त्री की हर पुगनी भूमिका की आलोचना की जाती है, जैसे खाना बनाने, बच्चे पालने, घर की देखभाल करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा



हुआ कैसे कह सकता है? यह भी सच है कि नौकरीपेशा स्त्रियां एक तरह से खुद को सैंडविच की तरह से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें घर भी देखना होता है और दफ्तर में भी काम करना होता है। स्त्रियों का कहना यह भी है कि मेनस्ट्रीम फेमिनिस्ट स्त्रियों को हमेशा कमजोर साबित करती रहती हैं, जबकि उन्हें स्त्रियों की तरह-तरह की भूमिकाओं, उन्हें निभाने की उनकी ताकत और उनकी क्षमताओं पर बात करनी चाहिए। यही नहीं, पुरुषों को हमेशा शिकार करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा

गाजियाबाद में बकरी पालन ने नाजमा को बनाया ग्रामीण स्वावलंबन की मिसाल

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और कृषि-प्रधान राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर संवेदनशील और प्रयासशील है। राज्य के ग्रामीण एवं दूरदराज के इलाकों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने, गरीबी उन्मूलन और समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'बकरी पालन योजना' एक युगांतकारी पहल साबित हो रही है। ग्रामीण परिवेश में बकरी नका खरख्राव बेहद आसान है, इसके पोषण के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह न्यूनतम लागत में अधिकतम मुनाफा देने का एक विश्वसनीय साधन है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी योजना का प्राथमिक लक्ष्य सीमांत और लघु किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास की अवधारणा को

साकार किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से विभिन्न स्तरों पर लागू किया गया है, ताकि हर वर्ग का लाभार्थी अपनी क्षमता के अनुसार इसका लाभ उठा सके। राज्य में मुख्य रूप से दो प्रकार के मॉडल अत्यधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। पहले मॉडल के तहत, सीमांत किसानों, भूमिहीन मजदूरों और घरेलू महिलाओं के लिए 10 बकरी और 1 बकरा अथवा 20 बकरी और 1 बकरा की लघु स्तरीय यूनिट स्थापित करने का प्रावधान है। वहीं, बड़े स्तर पर व्यावसायिक पशुपालन शुरू करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए 100 बकरी और 5 बकरा की कर्माशयल यूनिट स्थापित करने हेतु भारी वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इस पर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली आकर्षक सब्सिडी है, जो लाभार्थियों पर पूंजीगत व्यय के बोझ को काफी हद तक कम कर देती है। योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को कुल लागत का लगभग 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, जबकि अनुसूचित जाति और

मौलाना मदनी बोले- यह कत्ल की बात नहीं करता, इसीलिए दुनिया में इस्लाम तेजी से फैल रहा

सबको कुरान पढ़ाइए : मौलाना मदनी

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सभी लोगों को बुलाइए और उन्हें कुरान पढ़ाइए। उन्हें बताइए कि कुरान क्या कहता है? कुरान कहीं भी कत्ल या नफरत की बात नहीं करता। इस्लाम मोहब्बत का मजहब है, इसीलिए आज यह पूरी दुनिया में सबसे तेजी से फैल रहा है। दुनियाभर के पढ़े-लिखे लोगों ने भी इस्लाम के तेजी से फैलने की बात स्वीकार की है।

वह लखनऊ में शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हिंदू-मुस्लिम इतेहाद कॉन्फ्रेंस (हिंदू-मुस्लिम एकता सम्मेलन) को



संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन उनकी संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने किया। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संगठनों, समुदायों के प्रतिनिधि और शिक्षाविद शामिल हुए। सबसे पहले सुप्रिम कोर्ट की वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, “मैंने बचपन में अजान सीखी थी, लेकिन कोर्ट की व्यस्तताओं के बीच उसे भूल गई। अब मैं उसे फिर से सीखना चाहती हूं।”

मदनी बोले- 32 लाख बच्चों का मकसद बर्बाद हो गया

दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं छात्रों के बारे में मौलाना मदनी ने कहा कि जो लोग विरोध कर रहे हैं, उससे छात्रों का बहुत नुकसान हो रहा है। जो पेपर लीक हो रहा है, छात्रों के लिए बहुत नुकसानदेह है। सरकार को इस तरह की चीजों पर ध्यान देना चाहिए। 32 लाख बच्चों का मकसद बर्बाद हो गया।



मदनी ने कहा- जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई गलत है

रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर मदनी ने कहा- यह सियासी मामला है। आजम खान एक सियासी व्यक्ति हैं। लेकिन, जिस शख्स के नाम पर यूनिवर्सिटी है (मौलाना मोहम्मद अली जौहर) उन्होंने देश और समाज के हित में बहुत काम किया है। इसीलिए हम चाहते हैं कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम से यूनिवर्सिटी हमेशा रहे। मौलाना ने कहा कि जो किया जा रहा है, वह गलत है, गलत है, गलत है। अगर यूनिवर्सिटी के अंदर कुछ गलत है तो उस पर जुर्माना लगाया जाए। बुलडोजर चलना गलत है। जुर्माना लगाना भी कानून है, सिर्फ गिरा देना ही समस्या का समाधान नहीं। आज उसमें हजारों बच्चे पढ़ते हैं। 38 इमारतें हजारों करोड़ रुपए से बनी हैं, उन्हें गिरा देना सांप्रदायिकता है।



मौलाना मदनी ने समेलन के बारे में कहा कि हम प्यार-मोहब्बत का पैगाम देने आए हैं। इस धरती पर जो नफरत की आग लगी है, उस पर प्यार-मोहब्बत का पानी नहीं छिड़का जाएगा तो आग और मड़-केगी। नफरत की सियासत करना इस देश की जड़ को कमजोर करना है और मुल्क को बर्बाद करना है।

फास्ट न्यूज

साइबर टग छठी-आठवीं पास निकले

लखनऊ। लखनऊ के शहीद पथ स्थित ओमेक्स आर-2 सोसायटी से पकड़े गए अंतरराष्ट्रीय साइबर टगी गिरोह की जांच में चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। गिरोह के अधिकांश सदस्य ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं। कोई छठी पास है तो कोई आठवीं, दसवीं। इंटर से ज्यादा पढ़ा कोई नहीं है। सभी को अमेरिकी लहजे में अंग्रेजी बोलने की ट्रेनिंग दी गई थी। वो खुद को माइक्रोसॉफ्ट और फेडरल ट्रेड कमीशन का अधिकारी बताकर अमेरिकी नागरिकों को झंसा देते थे।

अभिलेख सत्यापन कार्यक्रम घोषित

लखनऊ। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य की तकनीकी संस्थाओं में संचालित डिजिटल पदपत्रों में कामगारों (वर्किंग प्रोफेशनल) के प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए विकल्प चयन और अभिलेख सत्यापन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने परिषद के आधिकारिक पोर्टल jeeup.admissions.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन किया था, ऐसे अभ्यर्थी दिनांक 23.07.2026 से 26.07.2026 तक पोर्टल पर विकल्प चयन की कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण करेंगे, अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

लखनऊ में आवारा कुत्तों के हमले से चीतल की मौत

मलिहाबाद। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र के बाजार गांव में शुक्रवार सुबह आवारा कुत्तों के झुंड से एक चीतल को मार दिया गया था, ऐसे अभ्यर्थी दिनांक 23.07.2026 से 26.07.2026 तक पोर्टल पर विकल्प चयन की कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण करेंगे, अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

लक्ष्य : योगी सरकार में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है : संदीप सिंह

योगी सरकार में निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण को मिला रोडमैप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा को और अधिक गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख तथा दक्षता आधारित बनाने की दिशा में योगी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण एवं लक्ष्य निर्धारण की व्यापक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इस कार्ययोजना के अंतर्गत मिशन को बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रभावी रूप से लागू करने हुए प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। इसके साथ ही बच्चों के सीखने के स्तर का नियमित अकलन, शिक्षक क्षमता संवर्धन,



लर्निंग गैप की पहचान और सुधारात्मक शिक्षण व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश के वैसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप निपुण भारत



मिशन को अब बालवाटिका से कक्षा-5 तक विस्तारित किया जा रहा है, ताकि हर बच्चे की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार हो सके। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा निर्धारित अधिगम लक्ष्यों से पीछे न रहे। इसके लिए हमने एनसीएफ और परख के अनुरूप कक्षावार लक्ष्य तय करने, शिक्षकों के क्षमता संवर्धन

यह कार्ययोजना बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देने वाली पहल मानी जा रही

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के विस्तारीकरण और निर्धारित लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण की यह कार्ययोजना बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देने वाली पहल मानी जा रही है। बालवाटिका से कक्षा-5 तक सीखने की एक सतत श्रृंखला विकसित कर प्रत्येक बच्चे को उसकी आयु और कक्षा के अनुरूप आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

और सतत मूल्यांकन की ठोस कार्ययोजना बनाई है। कार्ययोजना के अनुसार कक्षा-3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन के लिए विषयवार और कक्षावार अधिगम लक्ष्य एनसीएफ, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों तथा परख के मानकों के अनुरूप विकसित किए जाएंगे।

लखनऊ में 5 एसडीएम के ट्रांसफर

लखनऊ। लखनऊ डीएम विशाख जी. अय्यर ने 5 एसडीएम का ट्रांसफर किया है। दूसरे विभागों/जिलों से आए अधिकारियों को भी चार्ज दिया है। एसडीएम सदर मनोज कुमार सिंह को मलिहाबाद का SDM बना दिया गया है। वहीं, सदर की जिम्मेदारी IAS साहिल सिंह को दी गई है। साहिल बीकेटी के एसडीएम थे। लखनऊ नगर निगम से पदोन्नत होकर जिला प्रशासन पहुंचे आकाश सिंह को बीकेटी का एसडीएम बनाया गया है।

प्रयोगराज सदर से आए अभिषेक कुमार सिंह को सरोजनी नगर की जिम्मेदारी दी है। सरोजनी नगर की जिम्मेदारी संभाल रहे अंकित शुक्ला को ACIM-5 का चार्ज मिला है। मंझनपुर (कोशाम्बी) से आए SDM आकाश सिंह को मोहन-लालगंज दिया गया है। PCS रामदेव और प्रदीप कुमार नई जाईनिंग वाले हैं। इन्हें क्रमशः ACIM-1 और ACIM-3 का चार्ज दिया गया है।

राजधानी में समाधान दिवस पर समूह की महिलाओं का प्रदर्शन

मुर्दाबाद के नारे, शौचालय की मांग लेकर पहुंची थीं

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ की सरोजनी नगर तहसील में शनिवार को डीएम विशाख जी. अय्यर के सामने जिला प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। स्वयं सहायता समूह की 20 से ज्यादा महिलाओं ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वे शौचालय का पैसा जारी कराने की मांग लेकर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची थीं।

स्वयं सहायता समूह सीएलएफ सरोजनीनगर की महिलाएं भाजपा जिला मंत्री संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पहुंची थीं। संजीव ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के पात्र लाभार्थियों को अब तक योजना का लाभ नहीं मिला है। महिला शक्ति समाधान समिति सीएलएफ स्वयं सहायता समूह की उपाध्यक्ष अंजनी गौतम ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से विभिन्न सरकारों



योजनाओं को ज़रूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। सरोजनीनगर के उपजिलाधिकारी और विकास खंड अधिकारी को उदासीनता के कारण गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत के अनुसार, लगभग 10 महीने पहले विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के कार्यालय के माध्यम से नीवां, कुरौनी, माती, खटोला, परहर पश्चिम, मेड़ई खेड़ा, गढ़ी मंवेया, सोहावा और परवर पूरब सहित विभिन्न ग्राम सभाओं की 179 गरीब और शौचालय विहीन महिलाओं के आवेदन जमा कराए गए थे।

रेलवे अफसर के घर 18 लाख की चोरी

‘देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा’

बारिश का फायदा उठाकर घर में घुसे चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर में रेलवे के सेक्शन इंजीनियर के घर नकाबपोश चोरों ने लाखों की चोरी कर ली। 15-16 जुलाई की रात करीब दो बजे हुई वारदात में बदमाश करीब 18 लाख रुपए के जेवर और नकदी समेट ले गए। घटना के समय तेज बारिश हो रही थी, जिसका फायदा उठाकर चोर घर में घुसे। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पीड़ित का आरोप है कि घटना के 2 दिन बाद भी पुलिस FIR दर्ज करने के बजाय उन्हें चौकी और थाने के चक्कर लगावा रही है।



पत्नी सुनन्दा झा और बेटी अभिषी झा के साथ रह रहे हैं। उन्होंने पुलिस की दी तहरीर में बताया कि 11 जुलाई को तेज बारिश और बेटी को लेने मधुबनि बिहार गए थे।

16 जुलाई को अपनी कार से लौट रहे थे। इस दौरान 11:09 बजे घर में काम करने वाली बाई बबली की कॉल आया और उसने बताया कि घर का गेट खुला हुआ है। उसकी सूचना पर पड़ोस में रहने वाले मोहित को घर जाकर देखने के लिए कहा। मोहित एवं काम वाली बाई बबली घर के अन्दर जाकर देखा गया तो घर में दरवाजे खुले हुए थे और कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के शांतिपूर्ण अग्रगण्य पर हुई पुलिसिया कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सत्ता के अहंकार में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें युवाओं के बर्बाद होते भविष्य और एक अनशनकारी की जान की कोई परवाह नहीं है। संजय सिंह ने केन्द्र सरकार को चेतावनी दी है कि जिस युवा शक्ति का आज दमन किया जा रहा है, वही आने वाले समय में भाजपा की सत्ता के पतन का मुख्य कारण बनेगी।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि 59 वर्षीय सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर थे। वह अपनी ज़िंदगी दांव पर लगाकर उन करोड़ों युवाओं की आवाज उठा रहे थे



21 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को सुनने के बजाय जबरन गिरफ्तार करना लोकतंत्र की हत्या: संजय सिंह

जिनका भविष्य 93 पेपर लीक की घटनाओं ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। विडंबना यह है कि 21 दिन बीत जाने के बाद भी देश के प्रधानमंत्री ने उनसे बात करना तो दूर, अनशन खत्म करने की अपील तक करना ज़रूरी नहीं समझा। सरकार का कोई प्रतिनिधि यह पूछने तक नहीं आया कि आप अपनी जान देने पर क्यों आमादा हैं। संजय सिंह ने कहा कि आज अचानक भारी पुलिस बल ने जंतर-मंतर को चारों तरफ से घेर लिया और वहां मौजूद नौजवानों पर बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया। सोनम वांगचुक को उनके



दमनकारी सत्ता को उखाड़ फेंकने का वक्त आ गया है: संजय सिंह

सत्ता का अहंकार नहीं रहेगा, युवा शक्ति ही उखाड़ फेंकेगी भाजपा का तख्त

संजय सिंह ने सीधे प्रधानमंत्री पर प्रहार करते हुए कहा कि मोदी जी, इतना अहंकार अच्छा नहीं है। आपने कभी किसानों के आंदोलन को कुचला, कभी माताओं-बहनों पर अत्याचार किया और अब नौजवानों को लाठियों से पीट रहे हैं। याद रखिएगा, जिस युवा पर आज आप लठू बजा रहे हैं, वही आपके तख्त को उखाड़ कर फेंकेगा। उन्होंने देश के युवाओं से अपील की है कि वे एकजुट होकर सोनम वांगचुक का साथ दें और इस लड़ाई को कमजोर न पड़ने दें।

अनशन स्थल से जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार भी

- मोदी जी, सत्ता का यह अहंकार नहीं चलेगा, जिस युवा पर लाठियां बरसा रहे हो वही तुम्हारा तख्त पलटेलगा
- सोनम वांगचुक की आवाज दबाने के लिए पुलिसिया बर्बरता का सहारा ले रही मोदी सरकार
- संसद मार्च के डर से घबराए प्रधानमंत्री ने बदला दिल्ली का पुलिस कमिश्नर, युवाओं पर चलवाई लाठियां

- संजय सिंह

छीन लिया गया है? यह पूरी तरह है गुंडागर्दी है और सत्ता का दुरुपयोग है।

यूपी के आम्रपाली आम को मिली वैश्विक पहचान

1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की खेप लंदन के लिए रवाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारत-यूके ceta के प्रभावी होने से उत्तर प्रदेश के बागबानों के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। योगी सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश के प्रसिद्ध आम्रपाली आम को अब लंदन के बाजार में नई पहचान मिलने जा रही है। शनिवार को 1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की निर्यात खेप को अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मिश्रा ने उद्यान निदेशालय, लखनऊ से हरी झंडी दिखाकर लंदन के लिए रवाना किया। इस अवसर पर श्री बी.एल. मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व एवं उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों



एवं बागबानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण फलों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रभावी रणनीति पर कार्य किया जा रहा है, जिससे बागबानों को उनकी उच्च का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि एपीडा के प्रयासों तथा उद्यान विभाग के

उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में और मजबूत हो रही है दो दिवसों में 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम यूपी से हुआ यूके रवाना

सहयोग से उत्तर प्रदेश के आमों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। निर्यात के बढ़ते अवसरों से प्रदेश के बागबानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में और मजबूत हो रही है। दो दिवसों में 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम यूपी से यूके भेजा गया है।

हस्तशिल्पी प्रादेशिक पुरस्कार योजना हेतु आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

पुरस्कृत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उपयुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ अभिजीत गौतम ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विशिष्ट हस्तशिल्पी प्रादेशिक पुरस्कार योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 के सम्बन्ध में आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उद्योग, अनुभाग-13, कानपुर के पत्रांक 91/13-हस्त एवं नि0प्र0 / हस्त0 प्रादेशिक पुरस्कार / 2026-27 दिनांक 29 अप्रैल 2026 के माध्यम से 20 राज्य हस्तशिल्पी पुरस्कार एवं दक्षता पुरस्कार दिलाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया है कि जनपद के हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों से अनुरोध है कि उक्त योजनान्तर्गत पुरस्कार प्राप्त करने हेतु अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों सहित

उत्कृष्ट कलाकृतियों के साथ हस्तशिल्पी एवं कारीगर करें आवेदन, उत्पादन प्रक्रिया की फोटो/वीडियो भी करना होगा संलग्न

आवेदन पत्र दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ में उपलब्ध करने का कष्ट करें। कलाकृति की आवेदन प्रामाणित करने हेतु कलाकृति की उत्पादन के विभिन्न चरणों / प्रक्रिया की फोटोग्राफी / वीडियो ग्राफी भी आवेदन के साथ करना करनी होगी ताकि कलाकृतियों समयातन्त्रगत मण्डल स्तर पर चयन समिति के समक्ष प्रेषित कराया जा सके। योजना का आवेदन पत्र एवं अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ में सम्पर्क कर सकते हैं।

आधी रात बिस्तर पर सांप छोड़ा, लव-मैरिज की थी, मेरठ में शादीशुदा वैन ड्राइवर से अफेयर था

पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा

साजिश

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलीयां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपनें को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है।

वारदात के बाद दामिनी ने प्रेमी तुषार पायला को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली



मामला हरिनापुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पत्नी, उसके प्रेमी और दोनों सपनें को जेल भेज दिया है। मीडियाकर्मियों ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन वह बिना कुछ बोले चली गई।

गई। दामिनी शुक्रवार सुबह 6 बजे कमरे में पहुंची और चीखने लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है। मामला तब पलट, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दामिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कॉल डिटेल खंगालने पर वैन ड्राइवर

7 साल पहले लव मैरिज की, फिर परिवार से अलग रहने लगे

अतुल कुमार जिला मुख्यालय से 30 किमी भंडोरा गांव के रहने वाले थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। पिता अजब सिंह (72) खेती-किसानी करते हैं, जबकि मां संतोष देवी (69) गृहिणी हैं। बड़े भाई कुलदीप सेना से रिटायर हैं और पत्नी-बच्चों के साथ बहसूमा में रहते हैं। दूसरे भाई मनदीप ने चार साल पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

वहीं, दामिनी ने डबल एमए (M.A.) और बीएड (B.Ed.) किया है। उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां हस्तिनापुर में ही छोटे बेटे के साथ रहती हैं। 7 साल पहले अतुल ने परिवार के खिलाफ जाकर दामिनी से लव मैरिज की थी। पहले वह एक कंप्यूटर कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे। चार साल पहले नौकरी छोड़कर उन्होंने कृष्ण किड्स प्ले स्कूल खोला, जिसे वह पत्नी के साथ मिलकर चलाते थे। स्कूल में नर्सरी से कक्षा 5 तक की पढ़ाई होती है और करीब 150 बच्चे पढ़ते हैं।

अतुल के पिता अजब सिंह ने बताया कि दामिनी की परिवार से नहीं बनती थी। उसने कहा था कि किसी पुरोहित ने चार साल तक परिवार से अलग रहने की सलाह दी है। इसके बाद अतुल हस्तिनापुर में किराए के मकान में पत्नी दामिनी (30) और 6 साल के बेटे के साथ रहने लगे।

तुषार पायला से उसकी लगातार बातचीत सामने आई। तुषार को पकड़ा गया तो उसने पूरी साजिश कबूल कर ली। उसने बताया कि अतुल उनके रिश्ते में रोड़ा बन रहा था। अतुल ने 20 लाख रुपए का बीमा भी कराया था।

2 साल की सजा काटनी होगी, चुनाव के वक्त आईएस को धमकाया था तनखैया से जूते साफ कराऊंगा बयान पर आजम की सजा बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। 'ये कलेक्टर-फलेक्टर तनखैया हैं...' बोलने वाले सपा नेता आजम खान को रामपुर कोर्ट से बड़ा झटका मिला है। MP-MLA कोर्ट के फैसले को जिला कोर्ट ने बरकरार रखा है। आजम को इस मामले में 16 मई को दो साल की सजा सुनाई थी।

आजम ने फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की थी। हेट स्पीच का यह मामला 2019 लोकसभा चुनाव का है। उस समय आजम रामपुर से सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी थे। वहीं, जिले के चार अफसरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी केस में आजम को कोर्ट ने बरी कर दिया है।

आजम ने कहा था-सब डटे रहो,



आजम ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान अफसरों के खिलाफ विवादित बयान दिया था। (फाइल फुटेज)

कलेक्टर-फलेक्टर से मत डरियो, ये तनखैया हैं, हम इनसे नहीं डरते। देखा है मायावती के कई फोटो। कैसे बड़े-बड़े अफसर रूमाल निकालकर जूते साफ करते रहे हैं। उन्हीं से गठबंधन है, उन्हीं के जूते साफ कराऊंगा इनसे... अल्लाह ने चाहा तो...।

2019 में रामपुर के डीएम आन्जनेय कुमार सिंह थे, जो अब मुरादाबाद के कमिश्नर हैं। उन्हीं के निर्देश पर

आजम ने जिन अफसरों को लेकर आरोप लगाया था। इनमें तत्कालीन डीएम रामपुर आंजनेय कुमार सिंह (अभी मुरादाबाद मंडल के मंडलायुक्त), अपर जिलाधिकारी जगदम्बा प्रसाद गुप्ता (अब रिटायर), उप जिलाधिकारी पीपी तिवारी (रिटायरमेंट के बाद निधन हो चुका) और तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट सर्वेश कुमार (अब मुरादाबाद में नगर आयुक्त) हैं।

फास्ट न्यूज

तोता लापता, खोजने वाले को 50000 का इनाम

आगरा। आगरा में एक वकील का पालतू तोता लापता हो गया है। उन्होंने उसकी तलाश में शहरभर में हॉर्डिंग और पोस्टर लगावा दिए हैं। साथ ही, तोता खोजने वाले को 50 हजार रुपए इनाम देने का ऐलान किया है। वकील सुनील कुमार (50) ने शनिवार को बताया, '5 दिन पहले तोता 'माऊड' भरे कंधे पर बैठा था। तभी तेज हवा चली तो वह डरकर उड़ गया। तब से वापस नहीं आया।'

50 साल पुराने हनुमान मंदिर में पुजारी की हत्या

जैतपुर, महोबा। यूपी के महोबा में 50 साल पुराने हनुमान मंदिर के पुजारी की हत्या कर दी गई। खून से लथपथ शव मंदिर की सिढ़ियों पर फेंक दिया। शनिवार सुबह 11 बजे जब कुछ लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो सिढ़ियों पर शव देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुजारी पिछले 20 साल से मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करते थे। खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस, फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल से सबूत जुटाए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

'दिविजय सिंह ने श्रद्धा से राममंदिर में दान नहीं दिया'

कानपुर। कानपुर में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। साध्वी ने कहा कि SIT जांच कर रही है, दोषी कोई भी होगा तो उसे सजा मिलेगी। वहीं सतीश महाना ने कहा- दिविजय सिंह ने राम मंदिर में जो पैसा दिया, वह वापस मांग रहे हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में शुक्रवार सुबह बिजलीकर्मों के घर दो बदमाशों ने 50 लाख से ज्यादा की लूट की। बदमाशों ने उनकी चार साल की बच्ची की गर्दन पर चाकू लगा दिया। बोले- जल्दी लॉकर की चाबी निकालो वरना इसकी गर्दन काट देंगे। घटना के समय घर पर मां और दो बेटियां ही मौजूद थीं।

महिला के चाबी देते ही बदमाशों ने तीनों मां-बेटियों के हाथ-पैर रस्सी और टेप से बांध दिए। इसके बाद सारा सामान लूट ले गए। जाते समय घर के दरवाजे पर बाहर से ताला लगा दिया। घटना का पता तब चला जब बिजली कर्मों इयूटी से वापस आए। बिजली कर्मों को घर के गेट पर ताला लगा मिला। वह ताला



तोड़कर अंदर गए। पत्नी और दोनों बेटियों के हाथ-पैर खोले। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना जलालपुर के मेल रोज बाईपास स्थित श्रीरामपुरम फेस-2 की है।

संजीव कुमार ने पुलिस को बताया- मैं सुबह करीब 10:15 बजे इयूटी के लिए घर से निकला था। करीब आधे घंटे बाद, लगभग 10:45 बजे दो नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। मेरी पत्नी ने देखा कि दो आदमी कमरे में बैठे हैं। बदमाशों ने चाकू दिखाकर पत्नी से लॉकर की चाबी मांगी।

बदमाशों ने कहा कि अगर चाबी नहीं दी तो चार साल की



बिजलीकर्मों के इसी घर में परिवार को बंधक बनाकर बदमाशों ने लूट की।

इयूटी पर गए थे बिजली कर्मों संजीव कुमार थाना बन्नादेवी क्षेत्र के एलमपुर गढ़िया स्थित बिजलीघर में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार सुबह रोज की तरह वो करीब 10:15 बजे इयूटी के लिए घर से निकले। उस समय घर में उनकी पत्नी नीलम देवी, 14 वर्षीय बेटी राधिका और चार साल की आशी थीं। दोपहर करीब 5 बजे जब संजीव वापस घर पहुंचे तो मेन गेट पर बाहर से ताला लगा मिला। उन्हें अंदर से परिवार की आवाज सुनाई दी। अनहोनी की आशंका होने पर वे ताला तोड़कर घर में घुसे। अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। अलमारी टूटी हुई थी, सामान बिखरा पड़ा था। पत्नी और दोनों बेटियां पसीने से तर हालत में दिखीं।

छोटी बेटी की गर्दन काट देंगे। बच्ची की जान के डर से पत्नी ने लॉकर की चाबी दे दी।

क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का किया भव्य स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ता संवाद अभियान के तहत रविवार को महोबा जनपद के पनवाड़ी एवं राठ क्षेत्र में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। पार्टी के नवनिर्वाचित क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक स्वागत कर संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण का परिचय दिया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल आपने समर्थकों एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ पनवाड़ी के नकरा मोड़ पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं



अभिनंदन किया। सुबह से ही नकरा मोड़ पर भाजपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। कार्यकर्ता हाथों में भाजपा के झंडे, फूल-मालाएं और स्वागत बैनर लेकर अपने नेताओं के आगमन का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही क्षेत्रीय अध्यक्ष का काफिला पनवाड़ी पहुंचा, कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई।

दोले-नगाड़ों की थाप, पुष्पवर्षा और जयघोष के बीच पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने क्षेत्रीय अध्यक्ष को मातृपार्षण कर उनका आत्मीय स्वागत किया। उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भी फूल-मालाएं पहनाकर दोनों नेताओं का अभिनंदन किया।

सोनम वांगचुक का...

1984 में सोनम वांगचुक के पिता सोनम वांग्याल लद्दाख को जनजातीय दर्जा देने और क्षेत्र के विकास से जुड़ी मांगों को लेकर दो बार अनशन पर बैठे थे। पहली बार 1982 में लगातार 16 दिन भूख हड़ताल पर बैठे। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी लेह पहुंचीं, उनसे बातचीत की और जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया।

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (AISA) की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अभी भी अनशन पर हैं।

नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है।

अभिजीत का दावा...

हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे जंतर-मंतर पर रात भर चलने वाले हमारे विरोध-प्रदर्शन में शामिल हों, ताकि हम सब मिलकर 20 तारीख को संसद तक मार्च कर सकें।"

अहमदाबाद में अवैध ...

इस हादसे में मेहुल की मां रमीला डोडिया भी घायल हो गई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गट्याड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। खुले मैदानों में पत्तों और तिरपाल की बाड़ लगाकर आतिशबाजी बनाई जा रही है। घायलों को एलजी अस्पताल और असरवा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टीएमसी के बागी 20 ...

डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।'

8 जून को टीएमसी ने लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और TMC की पूर्व नेता काकोली घोष दत्तौदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम

बिरला को भेज दिया था।

बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजनस पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय कर लिया था। NCPI बंगाल में रजिस्टर्ड पार्टी है। त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत की थी। 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। चारों हार गए थे। TMC और उद्धव गुट के बागी सांसदों को मंजूरी मिलने से मोदी सरकार को फायदा मिलेगा। मोदी सरकार संसद में दो तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगा, जो संविधान संशोधन विधेयक पास करने के लिए अहम है।

सरकार महिला आरक्षण कानून लागू करने और परिसीमन विधेयक के जरिए संसद और राज्य विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटानी की कोशिश कर रही है। अप्रैल में राज्यसभा के विशेष सत्र में सरकार की यह कोशिशें नाकाम हो गई थीं।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी 240 सीटों पर जीती थी। NDA में चंद्रबाबू नायडू की TDP के 16, नीतीश कुमार की पार्टी JDU के 12, शिवसेना (शिंदे गुट) के 7, LJP (राम विलास) के 5 और अन्य दलों के 13 सांसद भी

शामिल थे। ये आंकड़ा बहुमत से 20 ज्यादा था।

14 जून 2026 को TMC नेता काकोली घोष दत्तौदार समेत लोकसभा 20 सांसद NDA समर्थित नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी से जुड़ गए, जिससे लोकसभा में BJP का नंबर 292 से बढ़कर 312 हो गया।

जून में ही महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट के 9 में से 6 सांसद भी NDA के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गए। इनके आने से लोकसभा में NDA का आंकड़ा 318 पहुंच गया है।

फिलहाल 3 लोकसभा सीटें खाली हैं- असम की नागांव, पश्चिम बंगाल की बसीरहाट और मेघालय की शिलांग। यानी बिल पर लोकसभा में वोटिंग हो, तो अधिकमत 540 सांसद होंगे। इस हिसाब से दो-तिहाई के 360 के आंकड़े से NDA अभी 42 वोट पीछे हैं।

‘गाली देना हर बार ...

पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और

आपराधिक धमकी (IPC की धारा 506) के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह शान्ति नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर कोर्ट पहुंचाने (IPC की धारा 326) के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 'कोर्ट उठने तक की कैद' कर दिया है। साथ ही, उसे 2 महीने के भीतर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे।

72वें राष्ट्रीय फिल्म ...

जो उनका पहला नेशनल अवॉर्ड होगा। सैकनिल्क के मुताबिक, करीब 20 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 110 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया। कार्तिक आर्यन और मम्तूी को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला।

यह कार्तिक का पहला नेशनल अवॉर्ड है, जबकि मम्तूी का यह चौथा नेशनल अवॉर्ड है।

बेस्ट हिंदी फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'श्रीकांत' का डायरेक्शन तुषार हीरानंदानी ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में राजकुमार राव नजर आए थे। फिल्म में ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर भी अहम भूमिकाओं में थे। सैकनिल्क के मुताबिक, 35 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 60 करोड़ रुपए कमाए।

मानस नगरमें रास्ते ...

टीम ने जमीन पर बनी दीवार को हटाने की कार्रवाई शुरू की, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। लोगों का कहना है कि रास्ते को लेकर विवादित जमीन की पहले राजस्व विभाग से पैमाइश कराई जानी चाहिए। इसके बाद ही किसी भी तरह की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो इस मामले को विधानसभा में उठाया जाएगा। मानस नगर का विवाद जमीन और रास्ते के अधिकार से जुड़ा हुआ है। स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं कि पहले जमीन की पैमाइश कराई जाए और रिकॉर्ड

के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जाए।

कैलाश मानसरोवर...

सड़क खुलने के बाद ही श्रद्धालुओं को गुंजो के लिए खाना किया जाएगा। भारी बारिश के बाद कैलाश मानसरो-वर मार्ग समेत जिले की 18 सड़कें मलबा आने से बंद हो गईं। इनमें तवाघाट-गुंजी, मुवानी-आलम दारमा, सोबला-उमचिया, बंगापानी-जाराजि-बली और होकरा-नामिक जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं। वहीं थल-मुनस्यारी सड़क पर शुक्रवार रात मलबा गिरने से करीब पांच घंटे तक यातायात ठप रहा। सड़क सुबह करीब 10 बजे खुलने के बाद आवाजाही फिर शुरू हो सकी। पिछले 15 दिनों से सीमांत जिले में लगातार बारिश से हालात बिगड़े हुए विवादित जमीन की पहले राजस्व विभाग से पैमाइश कराई जानी चाहिए। इसके बाद ही किसी भी तरह की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो इस मामले को विधानसभा में उठाया जाएगा। मानस नगर का विवाद जमीन और रास्ते के अधिकार से जुड़ा हुआ है। स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं कि पहले जमीन की पैमाइश कराई जाए और रिकॉर्ड

कनाडा के जंगलों की आग का असर, फुटबॉलर्स-फैंस की हेल्थ बड़ी चिंता

वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं



■ **हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कहा- श्वसन तंत्र पर असर डाल सकता है**

■ **80 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद**

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के



न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है। रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है। लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे। डॉक्टरों का कहना है कि जंगलों की आग का धुआं श्वसन तंत्र और हृदय पर असर डाल सकता है।



■ ट्रेनिंग सेशन के दौरान स्टार फुटबॉलर तामिल यमाल।

स्पेन ने खतरनाक हवा में ट्रेनिंग की

स्पेन की टीम ने गुरुवार को न्यू जर्सी के ईस्ट हैनोवर में खराब वायु गुणवत्ता के बीच खुले मैदान में अभ्यास किया। इस फैसले पर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए और कहा कि टीम को इंडोर अभ्यास करना चाहिए था। हालांकि, शुक्रवार को हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार दर्ज किया गया। स्पेन के मिडफील्डर मिकेल मेरिनो ने कहा, 'वर्ल्ड कप फाइनल जैसे बड़े मैच में बाहरी परिस्थितियों को दिमाग से निकालना जरूरी है। हम हर पहलू पर ध्यान दे रहे हैं और आयोजकों व महासंघ की ओर से पूरी सावधानी बरती जा रही है।'



■ स्पेन की टीम ने खराब वायु गुणवत्ता के बीच खुले मैदान में अभ्यास किया।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- एयर क्वालिटी में सुधार होगा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक देखने को मिल सकता है। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में होने वाले फाइनल को देखने करीब 80 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। इसी बीच क्वाइट हाउस भी हालात पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम और फीफा अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज कीं

कहा- लॉर्ड्स ओडीआई के बाद भी खेलते रहेंगे



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा। सैकिया ने PTI से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूँ कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि

BCCI ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, BCCI के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है। साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं।

पीवी सिंधु पहली बार जापान ओपन के फाइनल में

चीन की यूफेई को 7 साल बाद हराया, यामागुची-वारदानी की विजेता से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमरिट्रंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया। सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुईं



■ सिंधु ने यूफेई के खिलाफ लगातार 5 मैच हाने के बाद जीत हासिल की है।

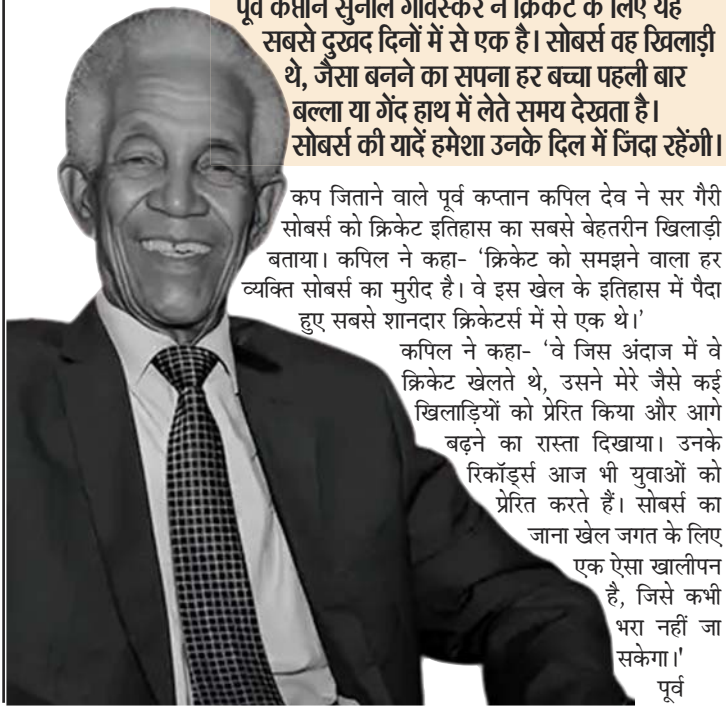
हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी। सिंधु करीब 2 साल बाद BWF वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। वे अब इस सीजन में

अपना पहला और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 लेवल का लंबे समय बाद पहला खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। सिंधु को क्वाटर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वाटर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

कोहली ने लिखा- विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी, तेंदुलकर ने कहा- हमेशा याद रखेंगे क्रिकेटर्स ने सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी है। एक दिन पहले वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को सर गैरी सोबर्स के निधन की जानकारी दी थी। 17 जुलाई को सोबर्स का 89 साल की आयु में निधन हो गया था।

सोबर्स क्रिकेट के सबसे महान ऑलराउंडर्स में से एक थे। उन्होंने 1954 से 1974 तक वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए और 235 विकेट लिए। सोबर्स ने सबसे पहले एक ओवर की सभी 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने फर्स्ट क्लास मैच में यह कारनामा किया था। भारत को 1983 में पहला वर्ल्ड



पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने क्रिकेट के लिए यह सबसे दुःख दिनों में से एक है। सोबर्स वह खिलाड़ी थे, जैसा बनने का सपना हर बच्चा पहली बार बल्ला या गेंद हाथ में लेते समय देखता है। सोबर्स की यादें हमेशा उनके दिल में जिंदा रहेंगी।

कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने सर गैरी सोबर्स को क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया। कपिल ने कहा- 'क्रिकेट को समझने वाला हर व्यक्ति सोबर्स का मुरीद है। वे इस खेल के इतिहास में पैदा हुए सबसे शानदार क्रिकेटर्स में से एक थे।' कपिल ने कहा- 'वे जिस अंदाज में वे क्रिकेट खेलते थे, उसने मेरे जैसे कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। उनके रिकॉर्ड्स आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। सोबर्स का जाना खेल जगत के लिए एक ऐसा खालीपन है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा।' पूर्व



श्रीलंका प्रीमियर लीग में आज के मैचों से पहले मौन रखवाए जाएगा

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सर गैरी सोबर्स के निधन पर एक बयान जारी कर कहा है कि उनके सम्मान में आज कोलंबो के एसएससी ग्राउंड पर खेले जाने वाले लंका प्रीमियर लीग (LPL) 2026 के सभी मैचों की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन रखा जाएगा। इसके अलावा, आज के सभी मैचों में भाग लेने वाली टीमों के खिलाड़ी श्रद्धांजलि स्वरूप काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे।

भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोबर्स के साथ बिताए यादगार पलों को याद करते हुए कहा कि क्रिकेट ने अपने 'वन एंड ओनली' महानायक को खो दिया है।

66

आमिर खान और गौरी स्प्रेट ने 5 जुलाई को घर पर ही निजी समारोह में शादी की। जिसमें कपल के बच्चे, इंडस्ट्री के दोस्त और करीबी फैमिली मेंबर शामिल थे।

गौरी संग तीसरी शादी करने पर आमिर खान को मिली बिश्नोई गैंग से धमकी

‘दम घांट देंगे’

नई दिल्ली। सलमान खान को मिली धमकियों के बाद, अब आमिर खान (Aamir Khan) को भी धमकी मिली है। यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने का दावा करने वाली एक सोशल मीडिया पोस्ट के सामने आने के बाद मिली है। वायरल पोस्ट और एक कथित ऑडियो क्लिप में एक्टर को गौरी स्प्रेट के साथ उनकी तीसरी शादी को लेकर निशाना बनाया गया है और उन पर 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से जुड़ी बताई जा रही एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो गई है। इस पोस्ट में आमिर खान को गौरी स्प्रेट (Gauri Spratt) से उनकी शादी को लेकर निशाना बनाया गया है। इस मैसैज में उन लोगों को भी धमकी दी गई है जिन पर देश में 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप है; इसे उनकी संस्कृति पर सीधा हमला बताया गया है। पोस्ट में लिखा गया, 'जय श्री राम, जय सीता राम। मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) बोल रहा हूँ। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ 'लव जिहाद' को बढ़ावा दे रहे हैं जैसे आमिर खान, हमने उन्हें चेतावनी दी है और काफी समय भी दिया है। यह हमारी आखिरी चेतावनी है। हम बहुत जल्द इसका जवाब देंगे। आगे लिखा, 'यह चीज हमारे सनातन धर्म और हमारे देश के खिलाफ है। हम अपने भाइयों, बहनों और

आमिर खान और गौरी स्प्रेट की शादी पर विवाद

यह कथित धमकी आमिर खान और गौरी स्प्रेट की शादी के कुछ दिनों बाद मिली है। इस कपल ने 5 जुलाई को मुंबई में अपने घर पर एक निजी समारोह में 'स्पेशल मैरिज एक्ट' के तहत शादी की थी। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अभी तक आमिर खान या उनकी टीम की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस को इस कथित धमकी के बारे में मीडिया से पता चला और वे अभी इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं।

देशवासियों से वादा करते हैं कि जो कोई भी इस धिनौने काम को बढ़ावा देगा, हम उसे अपने तरीके से जवाब देंगे। जो लोग स्टारडम के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम उनका दम घांट देंगे। हालांकि, पोस्ट और ऑडियो क्लिप की सच्चाई की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

विदेश में टैक्स चलााने को मजबूर हुआ ये सुपरस्टार, कभी साउथ सिनेमा में था एक्टर का राज

अर्श से फर्श पर आया ऐश्वर्या राय का ये हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी

इस दुनिया में अगर कोई चीज हमेशा एक जैसी रहती है, तो वह है 'बदलाव'। इसी बदलाव की वजह से बड़े-बड़े स्टार्स, विरासतें और राजा-रानी बनते और बिगड़ते हैं। वहीं फिल्म इंडस्ट्री की बात करें तो यह बात एकदम सटीक बैठती है। भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई ऐसे सितारे रहे हैं जिन्होंने खूब दौलत और शोहरत देखी। लेकिन जब विन बिगड़े तो उनकी जिंदगी में अफरा तफरी मच गई। आज ऐसे ही एक स्टार्स के बारे में हम बात करने जा रहे हैं जिसने कभी साउथ फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया था, बड़े-बड़े नामों को कड़ी टक्कर दी थी और यहां तक कि उनके पास बॉलीवुड की कुछ सबसे बड़ी फिल्में भी थीं।



साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर मिर्जा अब्बास अली, जो कभी 90 के दशक के सुपरस्टार हुआ करते थे, ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। ऐश्वर्या राय और रजनीकांत (Rajinikanth) जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करने के लिए मशहूर अब्बास ने 90 के दशक की शुरुआत में कई सफल फिल्में में काम किया। हालांकि,

बाद में उनका करियर ढलान पर आ गया और उन्हें इतनी गंभीर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा कि वे किराया तक नहीं दे पा रहे थे। अब्बास 'कधल देसम', 'वी.आई.पी.' और 'कंडुकोंडैन कंडुकोंडैन' जैसी हिट फिल्मों से तमिल सिनेमा में एक जाना-माना चेहरा बन गए थे। लेकिन, जैसे-जैसे उनका करियर ढलान पर आया,

उन्होंने सपोटिंग रोल करने शुरू किए और आखिरकार इंडस्ट्री से पूरी तरह गायब हो गए। उन्होंने फिल्में छोड़ दीं और विदेश चले गए, जहां वे न्यूजीलैंड में बस गए और परिवार का गुजारा करने के लिए मैकेनिक और टैक्सी ड्राइवर का काम करने लगे।

2000 के दशक की शुरुआत में अब्बास की कई फिल्में फ्लॉप रहीं, जिससे उनका करियर तेजी से नीचे गिर गया। ऐश्वर्या राय और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम करने के बावजूद, वे जल्द ही एक्टिंग की दुनिया से गायब हो गए।

स्लम रहि बैलिटेशन अथॉरिटी के ऑफिस पहुंचे सलमान खान बुजुर्गों को चाबियां दीं, हाथ मिलाया

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान शुक्रवार को SRA (स्लम रहि बैलिटेशन अथॉरिटी) के दफ्तर पहुंचे, जहां उन्होंने कई बुजुर्गों को उनके सपनों के घर की चाबियां सौंपीं। एक्टर टाइट सिक्योरिटी के साथ पहुंचे थे, इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सलमान खान के पर्सनल सिक्योरिटी हैड शोरा भी उनके साथ मौजूद रहे। सलमान ने वहां मौजूद बुजुर्ग महिलाओं को उनके घरों की चाबियां दीं और मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया। ऑफिस में सलमान खान के साथ मौजूद टीम ने वहां पहुंचे लोगों से कहा कि वो चाहें तो सवाल पूछ सकते हैं। एक शख्स उनकी फिल्म से जुड़ा सवाल पूछता, उससे पहले ही सलमान ने कहा, बस एक सवाल छोड़कर बाकी कुछ भी पूछ लेना। उसका जवाब तो मेरे पास भी नहीं है। सलमान खान ने SRA के डेटा कलेक्शन एंड सेग्रिगेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन भी किया। यह आधुनिक आईटी सर्वर रूम डिजिटल प्रशासन को अधिक मजबूत, सुरक्षित और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, इससे SRA की ई-गवर्नेंस पहलों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। सलमान खान की फिल्म मातृभूमि (पहले नाम रबेटल ऑफ गलवानर) पिछले कुछ महीनों से कई विवादों में रही है। इसकी कहानी 2020 की भारत-चीन गलवान घाटी झड़प से प्रेरित बताई गई थी। कई लोगों ने इस पर विरोध जताया क्योंकि फिल्म के टीजर के सीन असल लड़ाई की तरह नहीं थे। विवाद बढ़ने पर मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलकर मातृभूमि कर दिया।

यूएस का लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला, ईरान बोला-जमीनी हमले हुए तो कुवैत-बहरीन में घुस जाएंगे

होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवालयूनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। IRGC ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इस दावे को झुठा बताया। वहीं, CENTCOM ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। अल



ईरान के शिक्षा मंत्रालय ने देश के दक्षिणी हिस्से में बिगड़ते हालात को देखते हुए रविवार और सोमवार को 11वीं और 12वीं कक्षा की अंतिम परीक्षाएं रद्द कर दी हैं।



तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह फैसला होर्माजगान, बुशेहर, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों पर लागू होगा।

अमेरिका के साथ समझौते पर ईरान में घमासान

अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम समझौते को लेकर ईरान के भीतर सत्ता संघर्ष तेज होता दिख रहा है। देश के कट्टरपंथी धड़े राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची पर देश के सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप लगा रहे हैं। कट्टरपंथियों का दावा है कि अमेरिका के साथ समझौता करने वाले नेता सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और यह एक तरह का तख्तापलट है। पिछले सप्ताह तेहरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान यह नाराजगी खुलकर सामने आई। राष्ट्रपति पजशकियान जब खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब कुछ लोगों ने उनके खिलाफ नारे लगाए।



संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी।

ईरान में अमेरिकी हमलों में 7 नागरिकों की मौत का दावा

ईरान के दक्षिणी होर्माजगान प्रांत में पिछले दो दिनों के अमेरिकी हमलों में 7 लोगों की मौत हुई है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रांत के सांसद अहमद मोरादी ने कहा कि सभी मृतक नागरिक थे। रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी हमले में प्रांत के एक पुल को निशाना बनाया गया। इस दौरान वहां से गुजर रही दो कारें भी चपेट में आ गईं, जिससे 6 लोगों की मौत हो गई। बंदर अब्बास के तट पर अल्लाह अकबर इलाके में हुए एक अन्य हमले में एक महिला की मौत हुई, जबकि उसका एक साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका एक हाथ काटना पड़ा। वहीं, पेट्रोल पंपों तक ईंधन पहुंचाने वाला एक टैंकर चालक भी आग लगने से मारा गया।

फास्ट न्यूज

यूक्रेन के बंदरगाहों पर रूस का बड़ा हमला

कीव। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के बंदरगाह वाले दो शहरों पर हवाई हमले कर तीन लोगों को मार डाला और संपत्ति का नुकसान किया। रूस ने ये हमले ओडेसा और मीकोलेव पर किए। काला सागर के तट पर बसे मीकोलेव में विदेशी जहाज पर मौजूद दो यूक्रेनी नागरिक मारे गए जबकि ओडेसा में एक की मौत हुई है। दोनों ही बंदरगाहों के ढांचे और संपत्तियों को भी हमले में नुकसान हुआ है।

ईरान के कुवैत पर मिसाइल हमले के बाद रेकी गई उड़ानें

कुवैत। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण कुवैत पर तेहरान ने कई मिसाइलें दागीं। इससे सभी हवाई सेवाओं को तुरंत रोकना पड़ा और खाड़ी देश के पावर ग्रिड और पानी की खारेपन से मुक्त करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा। शनिवार तड़के से ही पूरे कुवैत में हवाई हमले के सायरन बार-बार बजते रहे। ईरान से दागी गई मिसाइलों के कुवैत के हवाई क्षेत्र में घुसने के बाद अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने और घरों के अंदर ही रहने की चेतावनी दी।

आग, धुएं और बाढ़ की त्राहि-त्राहि से जूझ रहे अमेरिका के 15 राज्य

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्वी हिस्से में स्थित ग्रेट लेक्स से लेकर राजधानी वाशिंगटन डीसी तक 15 राज्यों के लोग लगातार तीसरे दिन मौसम की भयावह मार झेलने को विवश हैं। लगातार तीसरे दिन जंगलों में भयानक आग लगी हुई है। शुक्रवार को 68 जगहों पर आग के मामले दर्ज किए गए। लाखों अमेरिकी नागरिकों के सामने गंभीर स्वास्थ्य संकट छा गया है और उन्हें घरों में रहने की सलाह दी जा रही है।

मांग :

विधानसभा में प्रस्ताव पास संसद से संविधान संशोधन की मांग

गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान का 5वां राज्य बनाने की तैयारी



और अन्य संघीय संवैधानिक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई है। प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री, स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, नेता विपक्ष और दो निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षर हैं। अब इसे आगे की मंजूरी के लिए पाकिस्तान की संसद भेजा जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान में चार ही राज्य हैं- पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा। गिलगित-बाल्टिस्तान अब तक सीमित स्वशासन के तहत संचालित होता रहा है और उसे पाकिस्तान के अन्य राज्यों जैसा संवैधानिक दर्जा प्राप्त नहीं है।

इसी वजह से विशेषज्ञों का मानना है कि विधानसभा से प्रस्ताव पास होने के बावजूद गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान का स्थायी पांचवां राज्य बनाना आसान नहीं होगा। ऐसा करने पर पाकिस्तान के उस पुराने रुख पर सवाल उठ सकते हैं, जिसमें वह कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताता रहा है। यही कारण है कि प्रस्ताव में केवल अस्थायी (प्रोविजनल) राज्य बनाने की बात कही गई है।



पाकिस्तान ने 2009 में गिलगित-बाल्टिस्तान (एम्पॉव-रमेंट एंड सेल्फ-गवर्नेंस) ऑर्डर 2009 के जरिए नॉर्दर्न एरियाज लेजिस्लेटिव काउंसिल (NALC) को लेजिस्लेटिव असेंबली से बदला।

गिलगित-बाल्टिस्तान को 2009 में पहली बार मिली विधानसभा

1947 से लेकर कई दशकों तक गिलगित-बाल्टिस्तान का प्रशासन सीधे पाकिस्तान की केंद्र सरकार के हाथ में रहा। यहां न तो प्रांत का दर्जा था और न ही लोगों को अपने प्रतिनिधियों के जरिए शासन चलाने का अधिकार मिला था। 2009 में पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान एम्पावरमेंट एंड सेल्फ-गवर्नेंस ऑर्डर लागू किया। इसके तहत पहली बार यहां विधानसभा चुनाव कराए गए और स्थानीय सरकार बनाई गई। हालांकि विधानसभा के अधिकार सीमित थे और बड़े फैसले केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के हाथ में ही रहे।

सौर फार्म की बाड़ प्रोंगहॉर्न के प्रवास में बन रही है बड़ी बाधा

वाशिंगटन, एजेंसी

वैज्ञानिकों ने साल 2024 में अमेरिका के सबसे तेज जमीनी जानवर प्रोंगहॉर्न की 75 मादाओं को जीपीएस कॉलर पहनाए थे। तब से ये जानवर लगातार अपनी लोकेशन का डेटा भेज रहे हैं। न्यू मेक्सिको में सैन जुआन सोलर एंड स्टोरेज प्रोजेक्ट के पास संरक्षण समूह वाइल्डलेइंड्स नेटवर्क के नेतृत्व में चल रही यह परियोजना शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद कर रही है कि बड़े सौर फार्म वन्यजीवों की आवाजाही को कैसे प्रभावित करते हैं। शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि हालांकि सौर ऊर्जा परियोजनाएं जीवावशम ईंधन को बदलने में मदद करती हैं, लेकिन इन केंद्रों के चारों ओर लगी बाड़ प्रोंगहॉर्न द्वारा हजारों वर्षों से उपयोग किए जाने वाले प्राचीन प्रवास मार्गों को बाधित कर सकती हैं। शोधकर्ताओं ने 2024 में न्यू मेक्सिको के फार्मिंगटन के पास 75 मादा प्रोंगहॉर्न पर



जीपीएस कॉलर लगाकर इस परियोजना की शुरुआत की थी। ये कॉलर हर घंटे जानवरों की लोकेशन रिकॉर्ड करते हैं, जिससे सौर ऊर्जा परियोजना के पास रहने वाले बड़े स्तनधारियों पर अब तक का सबसे विस्तृत डेटासेट तैयार हो रहा है।

2025 की शुरुआत तक, इन कॉलर ने 7,00,000 से अधिक लोकेशन पॉइंट रिकॉर्ड किए। इससे वैज्ञानिकों को 1,100 एकड़ में फैले सैन जुआन सोलर एंड स्टोरेज प्रोजेक्ट के निर्माण से पहले और बाद में जानवरों की आवाजाही की तुलना करने का मौका मिला। यह केंद्र एक बंद हो चुके कोयला आधारित बिजली संयंत्र के पास बनाया गया है।

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकार, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस 40 नो 195 सेप्टेम्बर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। मो०- 9415799533 R.N.I. NO. 64107/96